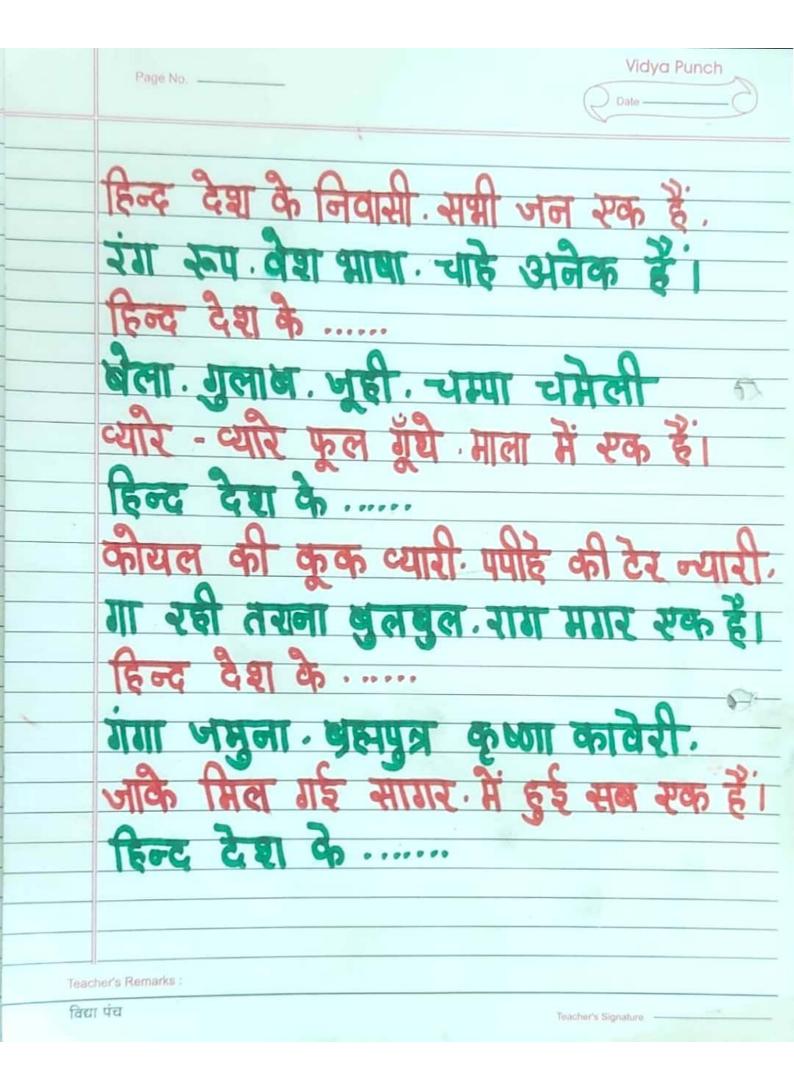
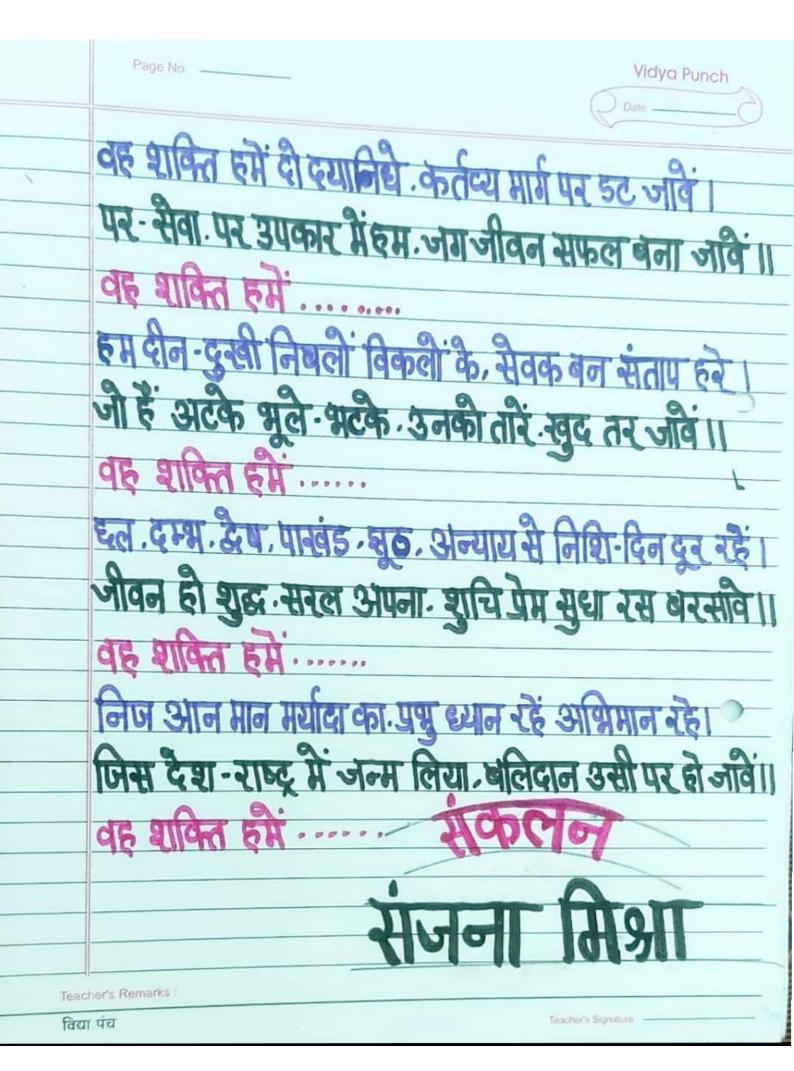


Vidya Punch आये हैं हम Page No. आये हैं हम दूर दूर से सबकी यह समझाने भेद-भाव की मिटा प्यार का मन में दीप जलाने प्यार अमर हैं, हमारी स्क डगर है। आये हैं हम स्क ही माटी स्क ही गुलशन क्यारी जुढ़ा जुढ़ा है रंग-बिरंगे फूल खिले हैं खुशबू जुढ़ा जुढ़ा हैं जीवन का है स्रोत स्क ही आये यह समझाने र अमर भिन्न-भिन्न हैं बीली हमारी भिन्न भिन्न भाषासँ भिन्न भिन्न हैं जाति धर्म पर, एक हैं अभिलाषारू पार अमर - -अपना दीन धनम है, हम तो बम ये जानें, र का मन में दीप जलाने. सारा प्यार अमर के भाषकी यह अमझाने आये हैं हम दूर-दूर की भाषकी यह अमझाने Teachers भेद्धार आव की मिटा प्यार का मन में दीप जलाने विद्या पंच हमारा चार





सारे जहाँ से अच्छा हिन्दीस्ता Punch सारे जहाँ से अच्छा हिन्दीस्ता हमारा हम बुलबुले हैं इसकी यह गुलिस्ताँ हमारा। सारे जहाँ मे अच्छा पर्वत वी सबसे ऊँचा, हम साया आसमा का वह सन्तरी हमारा वी पासवा हमारा। सारे जहाँ से अच्छा गोटी में खेलती हैं, इसकी हजारों नदियाँ, गुलशन हैं जिनके दम से बाक-स-जिनाँ हमावा सारे जहाँ भी अच्छा मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर बखना। हिन्दी हैं हम वतन हैं हिन्दीक्तों हमाबा मारे जहाँ भी अच्छा

